सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

प्रेरणा

"असफलता कोई अंत नहीं, बस आपकी कहानी का नया अध्याय है।"

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	19°	8°
शनिवार	20 °	8°
रविवार	21°	8°
सोमवार	21°	8°
मंगलवार	20°	11°
बुधवार	21°	10°
वीरवार	19°	10°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 30 JANUARY TO 05 FEBRUARY 2026 • VOLUME 28 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?
What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

विकसित भारत 2047 के लिए अगले 25 साल का अहम पड़ाव शुरू : पीएम मोदी

कहा- युवाओं, किसानों और निर्माताओं के लिए व्यापक अवसर खोलता है भारत-यूरोपीय संघ एफटीए

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को संसद परिसर में 2026 के बजट सत्र के प्रारंभ से पहले मीडिया को संबोधित किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति का अभिभाषण 140 करोड़ नागरिकों के विश्वास की अभिव्यक्ति, उनके परिश्रम का प्रमाण और युवाओं की आकांक्षाओं का सटीक प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने सत्र और वर्ष 2026 की शुरुआत में ही सभी सांसदों के समक्ष कई मार्गदर्शक बिंदु रखे हैं। मोदी ने कहा कि राष्ट्राध्यक्ष के रूप में राष्ट्रपति द्वारा सरल शब्दों में व्यक्त की गई अपेक्षाओं को सभी सांसदों ने गंभीरता से लिया होगा, जिससे यह सत्र अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि यह बजट सत्र 21वीं सदी की पहली तिमाही के समापन और दूसरी तिमाही के प्रारंभ का प्रतीक है। उन्होंने रेखांकित किया कि 2047 तक एक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अगले 25 वर्ष महत्वपूर्ण हैं और यह बजट सदी की दूसरी तिमाही का पहला बजट है। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, जो देश की पहली महिला वित्त मंत्री हैं, लगातार नौवीं बार संसद में बजट पेश कर रही हैं, जो भारत के संसदीय इतिहास में एक गौरवपूर्ण क्षण है।

मोदी ने उल्लेख किया कि वर्ष की शुरुआत बेहद सकारात्मक रही है, एक आत्मविश्वासी भारत विश्व के लिए आशा की किरण और आकर्षण का केंद्र बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि इस तिमाही की शुरुआत में भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता भारत के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य और आगे की आशाजनक दिशाओं को दर्शाता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यह समझौता महत्वाकांक्षी भारत, आकांक्षावान युवाओं और आत्मनिर्भर भारत के लिए मुक्त व्यापार है। प्रधानमंत्री ने दृढ़ विश्वास व्यक्त किया कि भारत के निर्माता अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए इस अवसर का लाभ उठाएंगे। उन्होंने सभी उत्पादकों से आग्रह किया कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए इस समझौते, जिसे "सभी समझौतों की जननी" कहा जा रहा है, के साथ अब एक विशाल बाजार खुल गया है और भारतीय सामान वहां कम लागत पर पहुंचेंगे। उन्होंने उद्योग जगत प्रमुखों और निर्माताओं को आगाह किया कि वे आत्मसंतुष्ट न हों, बल्कि गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले उत्पादों के साथ इस खुले बाजार में प्रवेश करने से न केवल 27 यूरोपीय संघ देशों के खरीदारों से लाभ प्राप्त होगा, बल्कि उनका विश्वास भी जीता जाएगा, जिससे दशकों तक दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के ब्रांड के अनुरूप कंपनियों के ब्रांड नई प्रतिष्ठा स्थापित करेंगे। मोदी ने इस बात पर बल दिया कि 27 देशों के साथ हुआ यह समझौता भारत के मछुआरों, किसानों, युवाओं और सेवा क्षेत्र में कार्यरत उन लोगों के लिए अपार अवसर लेकर आया है जो वैश्विक स्तर पर अवसर तलाशने के इच्छुक हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह एक आत्मविश्वासपूर्ण, प्रतिस्पर्धी और उत्पादक भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यद्यपि राष्ट्रीय ध्यान स्वाभाविक रूप से बजट की ओर जाता है, फिर भी इस सरकार की पहचान सुधार, क्रियान्वयन और परिवर्तन रही है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश अब सुधार की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और इस सुधार यात्रा को गति देने में अपना सकारात्मक योगदान देने वाले सभी सांसदों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश दीर्घकालिक लंबित समस्याओं से हटकर दीर्घकालिक समाधानों की ओर बढ़ रहा है, जो पूर्वानुमान योग्य हैं और वैश्विक विश्वास का निर्माण करते हैं। मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय प्रगति के उद्देश्य से लिया गया प्रत्येक निर्णय मानव-केंद्रित रहेगा। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत प्रौद्योगिकी के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा, उसे आत्मसात करेगा और उसकी शक्ति को स्वीकार करेगा, लेकिन सरकार मानव-केंद्रित प्रणालियों पर कभी समझौता नहीं करेगी और संवेदनशीलता के साथ प्रौद्योगिकी को संतुलित करने की दृष्टि से आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि आलोचक भी अंतिम छोर तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने और उन्हें केवल कागजों तक सीमित न रखकर लोगों के जीवन तक पहुंचाने पर सरकार के फोकस को स्वीकार करते हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सुधार की राह पर अगली पीढ़ी के सुधारों के साथ यह परंपरा जारी रहेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का लोकतंत्र और जनसंख्या आज विश्व के लिए एक बड़ी उम्मीद है और लोकतंत्र के इस मंदिर में, भारत के पास शक्ति, लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के माध्यम से लिए गए निर्णयों के प्रति सम्मान का संदेश देने का अवसर है—ऐसे संदेश जिनका वैश्विक स्तर पर स्वागत और स्वीकृति हो। मोदी ने कहा कि यह समय व्यवधान का नहीं, बल्कि समाधानों का है, बाधाओं का नहीं, बल्कि संकल्पों का है। उन्होंने सभी सांसदों से समाधानों के युग को गति देने, निर्णयों को सशक्त बनाने और अंतिम छोर तक सफल डिलीवरी सुनिश्चित करने में सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने सभी को हार्दिक धन्यवाद और शुभकामनाएं देते हुए संबोधन का समापन किया।

आदर्शवादी समाज की स्थापना के लिए लोगों से श्री गुरु रविदास जी की शिक्षाओं पर चलने का आह्वान

कैबिनेट मंत्रियों और लोकसभा सदस्य ने श्री गुरु रविदास जी का प्रकाश पर्व मनाने के लिए श्रद्धालुओं की ट्रेन को बनारस के लिए रवाना किया

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा और लाल चंद कटारूचक ने गुरुवार को शहर के रेलवे स्टेशन से श्री गुरु रविदास जी का प्रकाश पर्व मनाने के लिए बनारस जा रही श्रद्धालुओं की ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने लोगों से आदर्शवादी समाज की रचना के लिए श्री गुरु रविदास महाराज जी द्वारा दिखाए गए सर्व-सांझीवालता के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस मौके पर उनके साथ लोकसभा सदस्य राज कुमार चब्बेवाल, चब्बेवाल हलके के विधायक डॉ. इशांक कुमार, पूर्व मंत्री बलकार सिंह, मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह तथा पंजाब सहकारी कृषि विकास बैंक के चेयरमैन पवन कुमार टीनू भी उपस्थित थे। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने डेरा बल्लां के मुखी संत निरंजन दास जी से आशीर्वाद प्राप्त करने के उपरांत कहा कि सीएम मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा श्री गुरु रविदास जी का 650वां प्रकाश पर्व पूर्ण श्रद्धा और सम्मान के साथ बड़े स्तर पर मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्री गुरु रविदास जी के जीवन, शिक्षाओं और यात्राओं से संबंधित कार्यक्रम पंजाब भर में आयोजित किए जाएंगे, जिसके लिए कैबिनेट सब-कमेटी की बैठक में रूपरेखा तैयार की गई है।

जालंधर जिले में बनेगा श्री गुरु रविदास बाणी अध्ययन केंद्र : हरपाल सिंह चीमा

जालंधर (जालंधर ब्रीज). छह सदियों पहले श्री गुरु रविदास जी द्वारा दिए गए सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समानता के संदेश को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने तथा उनकी शिक्षाओं के प्रसार के लिए पंजाब सरकार द्वारा एक ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। इसके तहत जालंधर ज़िले में डेरा बल्लां के निकट श्री गुरु रविदास बाणी अध्ययन केंद्र की स्थापना की जाएगी। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि यह अध्ययन केंद्र देश भर में अपने आप में एक अनूठी पहल होगी। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने 10 करोड़ रुपये की लागत से कुल 9 एकड़ से अधिक भूमि इस अध्ययन केंद्र के नाम दर्ज की है। उन्होंने कहा कि श्री गुरु रविदास जी की शिक्षाओं और विचारधारा को पूरी दुनिया तक पहुँचाने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। श्री गुरु रविदास जी की शिक्षाओं को आगे बढ़ाने के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता पर ज़ोर देते हुए चीमा ने बताया कि इस उद्देश्य के लिए आज कुल तीन रजिस्ट्रियां क्रमशः गाँव नौगजा (64 कनाल 5 मरले—लागत 5,40,98,500 रुपये), गाँव फरीदपुर की पहली रजिस्ट्री (2 कनाल—लागत 16,74,000 रुपये) तथा गाँव फरीदपुर में दूसरी रजिस्ट्री (10 कनाल 14 मरले—लागत 1,44,62,150 रुपये) की गई हैं। उन्होंने बताया कि कुल तीनों रजिस्ट्रियों का क्षेत्रफल 76 कनाल 19 मरले है और कुल लागत 7,02,54,659 रुपये है।

सीमा पार से तस्करी की कोशिश नाकाम; 21 अत्याधुनिक पिस्तौल व हेरोइन बरामद

चंडीगढ़/फरीदकोट (जालंधर ब्रीज). काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) फरीदकोट ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ तालमेल से फाज़िल्का के गांव तेजा रुहेला स्थित सीमा चौकी (बीओपी) जीजी-3 पर सीमा पार से तस्करी की एक बड़ी कोशिश को सफलतापूर्वक नाकाम कर 2.1 किलोग्राम हेरोइन और 21 अत्याधुनिक पिस्तौल सहित गोला-बारूद बरामद किया है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। बरामद किए गए हथियारों और गोला-बारूद में 22 मैगज़ीन सहित 11 ग्लॉक पिस्तौल, एक मैगज़ीन सहित एक बेरेटा पिस्तौल, 10 मैगज़ीन सहित पांच ज़िगाना पिस्तौल, पांच मैगज़ीन सहित तीन नोरिन्को पिस्तौल, एक मैगज़ीन सहित एक गफ्फार सिक्योरिटी पिस्तौल (एमपी-5 टाइप) और 310 जिंदा कारतूस (9 एमएम) शामिल हैं।

सरहद पार से भेजी 42.9 किलो हेरोइन, 4 हैंड ग्रेनेड व एक पिस्तौल बरामद

विलेज डिफेंस कमेटी के माध्यम से प्राप्त जानकारी के कारण इस मॉड्यूल का पर्दाफाश करने में मदद मिली : डीआईजी

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/अमृतसर

अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने विलेज डिफेंस कमेटी (वीडीसी) के सहयोग से 42.9 किलोग्राम हेरोइन, चार हैंड ग्रेनेड और एक स्टार-मार्क पिस्तौल सहित 46 जिंदा कारतूस बरामद करके सरहद पार से नारको-आतंकवाद नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बरामद की गई नशीली दवाएं, हथियार और विस्फोटक सामग्री अंतरराष्ट्रीय सरहद पार से ड्रोन के माध्यम से भेजी गई थी, जिससे इस खेप में संगठित सरहद पार नारको-आतंकवाद नेटवर्क की संलिप्तता का पता चलता है। डीजीपी ने बताया कि इस उपरांत जांच के दौरान अमृतसर के निवासी दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है। फरार मुलिजमों को ट्रेस करने, बरामदगी संबंधी लिंक का पता लगाने और व्यापक साजिश का पर्दाफाश करने के लिए आगे की जांच जारी है।

डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीआईजी) बॉर्डर रेंज संदीप गोयल ने बताया कि वीडीसी नेटवर्क के माध्यम से प्राप्त जानकारी पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने गांव ऊठियां में एक मोटरसाइकिल को रोका। उन्होंने बताया कि पुलिस की मौजूदगी का पता लगने पर संदिग्ध व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाते हुए खेप सहित मोटरसाइकिल छोड़कर आसपास के खेतों की ओर भाग गए। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने तुरंत आसपास के खेतों में एक योजनाबद्ध तलाशी अभियान चलाया जिसके परिणामस्वरूप नशीले पदार्थों, हथियारों और विस्फोटकों की खेप बरामद हुई। एसएसपी अमृतसर ग्रामीण सुहेल कासिम मीर ने बताया कि मुलजिमों की पहचान करने और उन्हें काबू करने, अगले-पिछले संबंधों का पता लगाने और पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए आगे की जांच जारी है।

स्पीकर संधवा ने अमित शाह को लिखा अर्ध-सरकारी पत्र

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक अर्ध-सरकारी पत्र लिखकर चंडीगढ़ को पंजाब के निवासियों के लिए हथियार लाइसेंस के अधिकार क्षेत्र में शामिल करने की मांग की है। उन्होंने आर्म्स एक्ट के तहत कुछ संशोधनों की आवश्यकता पर जोर दिया। उल्लेखनीय है कि वर्तमान नियमों के अनुसार पंजाब के निवासियों को चंडीगढ़ में लाइसेंसी हथियार रखने के लिए अलग से अनुमति हेतु आवेदन करना पड़ता है, जिसके कारण उन्हें अनावश्यक देरी और असुविधा का सामना करना पड़ता है।

सक्रिय शासन के जरिए विकास के इंजन को गति

जालंधर ब्रीज. कुशल शासन की दिशा में भारत की यात्रा अक्सर एक विशाल संघीय ढांचे के तहत कार्यान्वयन से जुड़ी विभिन्न चुनौतियों को रेखांकित करती है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2015 में स्थापित 'प्रगति' [सक्रिय शासन और समयबद्ध कार्यान्वयन (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन)] नामक पहल, नौकरशाही की पेचीदगियों को दूर करने के एक शक्तिशाली तंत्र के रूप में कार्य करती है। एक ओर जहां यह विभिन्न राष्ट्रीय परियोजनाओं को गति प्रदान करती है, वहीं इसका प्रभाव शायद राज्य स्तर पर सबसे अधिक स्पष्ट होता है। आर्थिक विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण विशिष्ट क्षेत्रीय परियोजनाओं की सटीक निगरानी राज्य स्तर पर की जाती है। गुजरात में, 'प्रगति' के तहत की गई समीक्षाओं ने बुनियादी ढांचे, ऊर्जा तथा सामाजिक कल्याण से जुड़ी प्रमुख परियोजनाओं में आने वाली अड़चनों को व्यवस्थित रूप से दूर किया है और सहकारी संघवाद के एक मजबूत मॉडल को मूर्त रूप दिया है। 'प्रगति' ने न सिर्फ समीक्षा के एक मंच, बल्कि एक पूर्वानुमानित शासन के रूप में भी कार्य किया है। महीने की शुरुआत में अग्रिम रूप से एजेंडा का वितरण राज्य के संबंधित विभागों, जिला प्रशासन और कार्यान्वयन एजेंसियों की केन्द्रित भागीदारी को बढ़ावा देने में सहायक रहा। सक्रिय अनुवर्ती कार्रवाई के परिणामस्वरूप, 'प्रगति' की निर्धारित बैठकों से पहले ही कई समस्याओं का निराकरण हो गया। लिहाजा, ऐसे एजेंडा मदों को अंतिम समीक्षा से हटा दिया गया। यह उच्चस्तरीय हस्तक्षेप से पहले ही राज्य स्तर पर उनके समाधान को दर्शाता है।

पंकज जोशी
(आईएएस (सेवानिवृत्त), जीईआरसी के अध्यक्ष/गुजरात के पूर्व मुख्य सचिव)

गुजरात नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी है और 'प्रगति' इसकी विशाल क्षमता को मूर्त रूप देने में अहम भूमिका निभा रही है। बड़े पैमाने की विविध सौर एवं पवन परियोजनाएं इस लक्ष्य को रेखांकित करती हैं। कुल 1200 मेगावाट क्षमता वाली खावड़ा सौर पीवी परियोजना (6284 करोड़ रुपये) और 1255 मेगावाट क्षमता वाली खावड़ा सौर पीवी परियोजना (7180 करोड़ रुपये) इस पहल की प्रमुख घटक हैं। कुल 300 मेगावाट क्षमता वाली भुज सौर पीवी परियोजना (1443 करोड़ रुपये) और खावड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क से अतिरिक्त 7 गीगावाट बिजली की निकासी से संबंधित पारेषण प्रणाली (4231 करोड़ रुपये) की भी समीक्षा की गई। इस समीक्षा में ऊर्जा, राजस्व और वन एवं पर्यावरण विभागों ने भाग लिया। इस प्लेटफॉर्म की व्यवस्थित निगरानी प्रणाली राज्य के विभिन्न विभागों और केन्द्रीय संस्थाओं के बीच निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करती है, जोकि भूमि और पर्यावरण संबंधी जटिल मंजूरियों की जरूरत वाली परियोजनाओं के लिए बेहद अहम है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रगति की सफलता के बाद, गुजरात सरकार ने शिकायतों एवं परियोजनाओं के प्रबंधन हेतु एक उन्नत प्रणाली के रूप में 'स्वागत 2.0' की शुरुआत की। यह ऑटो एस्केलेशन मैट्रिक्स से लैस है, जो महत्वपूर्ण बाधाओं से संबंधित 'प्रगति' की व्यवस्थित एस्केलेशन प्रणाली पर आधारित है। परियोजना संबंधी समीक्षाओं के जरिए प्रणालीगत सुधार लाने की 'प्रगति' की क्षमता की तरह, नई 'स्वागत' प्रणाली डैशबोर्ड डेटा का उपयोग करके बार-बार उभरने वाली उन समस्याओं की पहचान करती है जिनके लिए सिर्फ शिकायत समाधान के बजाय नीति-स्तर पर बदलाव की जरूरत होती है। 'स्वागत 2.0' के जरिए, गुजरात के मुख्यमंत्री व्यक्तिगत रूप से मासिक रूप से जटिल मामलों - जैसे आवास परियोजनाएं और बुनियादी ढांचे में देरी - की समीक्षा करते हैं और समाधान के लिए सख्त व समयबद्ध निर्देश जारी करते हैं, जो 'प्रगति' के "समयबद्ध कार्यान्वयन" के मूल उद्देश्य का अभिन्न अंग है। गुजरात की उल्लेखनीय विकास यात्रा प्रधानमंत्री मोदी द्वारा प्रदान किए गए दूरदर्शी समर्थन और सहयोगात्मक नेतृत्व का उत्कृष्ट प्रमाण है। 'प्रगति' नामक एक अग्रणी कदम के जरिए, केन्द्र सरकार ने इस राज्य को अमूल्य सहयोग प्रदान किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए नियमों पर लगाई रोक

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को जातिगत भेदभाव की परिभाषा से संबंधित यूजीसी के 2026 के समानता नियमों के संचालन पर रोक लगा दी और नए ढांचे को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी किए। याचिकाओं की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने कहा कि वह शिक्षण संस्थानों में "स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी वातावरण" चाहता है, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि नए नियम समाज को विभाजित कर सकते हैं। पीठ ने निर्देश दिया कि 2012 के पुराने नियम फिलहाल लागू रहेंगे। सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की अध्यक्षता वाली पीठ अब बाद में इस मामले की सुनवाई करेगी। यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ याचिकाएं अधिवक्ता विनीत जिंदल, मृत्युंजय तिवारी और राहुल दीवान ने दायर की हैं। यूजीसी ने हाल ही में उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने संबंधी विनियम, 2026 जारी किए हैं, जिनका उद्देश्य विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में वंचित समूहों की शिकायतों के निवारण और सहायता के लिए एक संरचित ढांचा तैयार करना है। इस बीच, यूजीसी के नए नियमों ने छात्रों, शिक्षकों और सामाजिक समूहों के बीच आक्रोश पैदा कर दिया है, क्योंकि यूजीसी के नियमों में "जाति-आधारित भेदभाव" शब्द की परिभाषा को लेकर नाराजगी व्यक्त की गई है।

30 उम्र से पहले भारत की इन जगहों पर जाएं घूमने, देखने को मिलेगी स्वर्ग सी सुंदरता

Travelling भारत में घूमने के लिए काफी कुछ है लेकिन कुछ जगहें ऐसी भी हैं। जहां आप 30 की उम्र से पहले एक बार अकेले जरूर घूमने जाएं। इन जगहों पर जाकर आप खुद को पा लेंगे और जिंदगी जीने का तरीका...

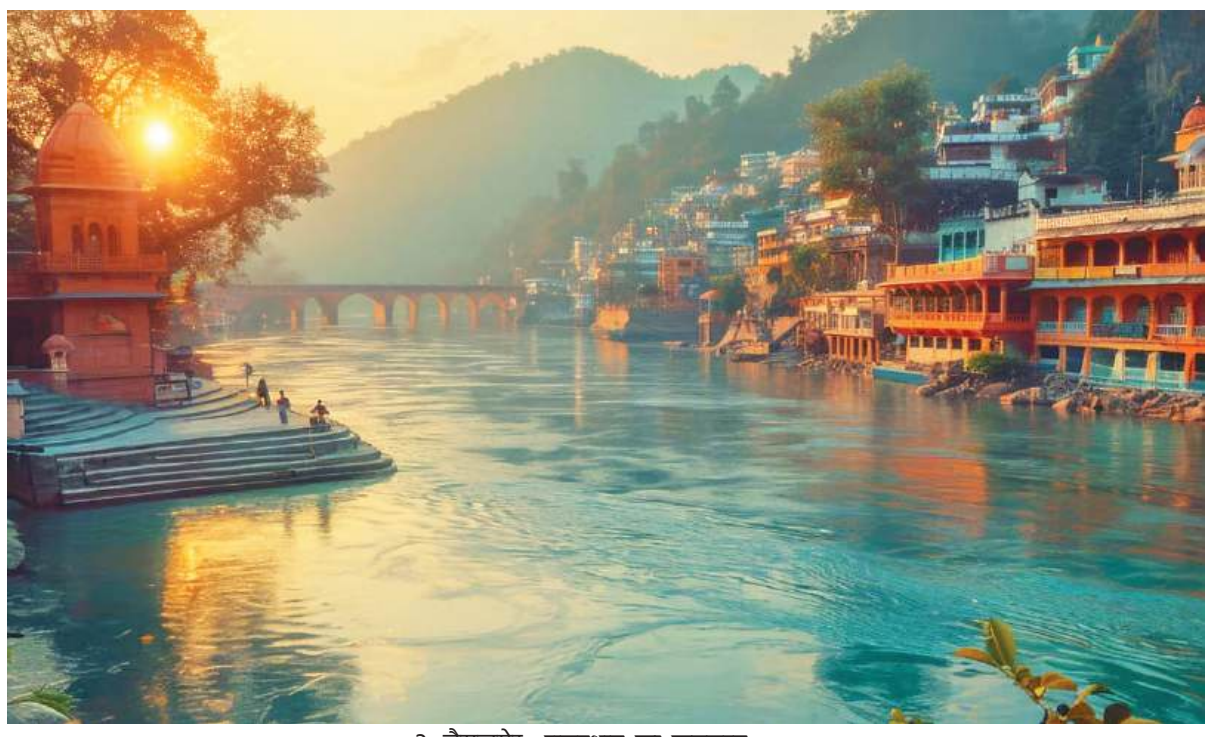

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

भारत ऐसा देश है, जहां की संस्कृति, सुंदरता, परंपरा देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। यहां पर धार्मिक स्थल भी हैं और वेकेशन के लिए सुंदर हिल स्टेशन भी, समुद्र की लहरें भी मिलेंगी और पहाड़ों की खामोशी भी, कही पर झरने की कल-कल है, तो कही पर हरियाली की सोंधी महक मिलेगी।

भारत में बसे सभी राज्य अपनी खासियत के लिए जाने जाते हैं लेकिन कुछ ऐसे शहर भी हैं, जो काफी मशहूर हैं। इन शहरों को देखने, घूमने के लिए जिंदगी में एक बार जरूर जाएं और खासतोर पर 30 की उम्र बीतने से पहले। 30 की उम्र के बाद भी जा सकते हैं लेकिन इन जगहों पर आप सोलो ट्रिप करें और अकेले ही हर चीज का मजा बेफिक्र होकर लें। चलिए बताते हैं हम किन 6 शहरों के बारे में बात कर रहे हैं।

कहां जाएं घूमने

1- गोवा - म्यूज़िक, लाइट्स और फुल बीच वाइब्स का मजा आपको गोवा में ही मिलेगा। समुद्र के किनारे बैठकर बियर पीना हो या फिर सीफूड का स्वाद लेना हो, सभी चीजों के लिए गोवा परफेक्ट डेस्टिनेशन है। गोवा जाकर आप खुद को खो सकते हैं और खुद में नए इंसान को पा सकते हैं। वहां जाकर आपको महसूस होगा कि जिंदगी बस ऐसी होनी चाहिए, बिना कल की फिक्र के जीना चाहिए। गोवा जिंदगी में एक बार जरूर जाएं और खासतौर पर 30 की उम्र होने से पहले।

2- तवांग - अरुणाचल प्रदेश का खूबसूरत शहर तवांग मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता के लिए मशहूर है। यहां पर चार सौ साल पुराने किले, मॉनेस्ट्री, लेक आपके देखने को मिलेंगे। यहां पर मन को सुकून मिलेगा और आत्मा को शांति। ज्यादातर लगो तवांग शांति की तलाश में आते हैं और यही रुकने का मन बना लेते हैं। यहां का कल्चर भी काफी अलग है, जो आपको पसंद आएगा।

3- जैसलमेर - राजस्थान का खूबसूरत शहर जैसलमेर भी घूमने के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है। जैसलमेर में आप ऊंट की सवारी, राजस्थानी डांस, सोनाक का किला, गड़ीसर झील और सैम सैंड ड्यून्स रेगिस्तान देख सकते हैं। जैसलमेर में आप 3 दिन की ट्रिप प्लान कर सकते हैं। दिल्ली से जैसलमेर ज्यादा दूर नहीं है।

4- ऋषिकेश - उत्तराखंड का खूबसूरत शहर ऋषिकेश भी अपनी खूबसूरती और धार्मिक चीजों के लिए मशहूर है। गंगा नदी का किनारा और उठती-बहती लहरें अलग सुकून देती हैं। घाट के किनारे बैठकर भुट्टा खाना जिंदगी को जीने का नया अंदाज देता है। ऋषिकेश में ट्रेकिंग, राफ्टिंग का मजा भी मिलेगा।

5- गोकरणा - कर्नाटक के शहर गोकरणा में भगवान शिव का आत्मलिंग स्थापित है, जो इसे पवित्र धार्मिल स्थल बनाता है। यहां पर ओम बीच, कुदले बीच, पैराडाइज बीच, हाफ मून बीच फेमस हैं। अगर आप बीच लवर हैं, तो यहां जरूर जाएं। अक्टूबर से मार्च के बीच आप यहां घूमने जाएं।

6- स्पीति वैली - हिमाचल प्रदेश में घाटी है स्पीति वैली, जहां आपको गर्म नहीं ठंडा रेगिस्तान मिलेगा और यहां चलने पर पैर नहीं जलेंगे। रात में इस रेगिस्तान पर बैठकर चांद को देखना ऐसा लगता है, जैसे आसमान के करीब होना। स्पीति घाटी समुद्री तल से 12000 की फीट की ऊंचाई पर मौजूद है और बेहद सुंदर है। यहां पर बर्फ की चादर बिछी रहती है।

EXPERT VIEW

कामयाबी का फॉर्मूला : सुंदर पिचाई के 6 नियम जो हर युवा को जानने चाहिए

गूगल और उसकी पैरेंट कंपनी अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई की सफलता का राज अक्सर लोग पूछते हैं। उन्होंने मेहनत के साथ कुछ नियमों को भी अपने जीवन में फॉलो किया है। आप भी उन्हें अपना सकते हैं।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

जीवन में हर कोई सफलता पाना चाहता है और उसके लिए लोग कड़ी मेहनत भी करते हैं। लेकिन कई बार कड़ी मेहनत ही नहीं बल्कि कुछ स्मार्ट टिप्स और रूल्स भी आपको सफल बना सकते हैं। दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनी गूगल (Google) और उसकी पैरेंट कंपनी अल्फाबेट (Alphabet) के सीईओ सुंदर पिचाई का सफल करियर लोगों के लिए मिसाल है। वह साधारण परिवार से हैं और उन्होंने अपनी मेहनत-जुनून के बल पर सफलता हासिल की और अलग नाम बनाया। आज सुंदर पिचाई से लाखों युवा प्रेरित होते हैं और सफल करियर बनाने के लिए जुटे रहते हैं। उन्होंने सफल होने के लिए अपने जीवन में कुछ नियमों को हमेशा फॉलो किया और दूसरों को भी इन्हें अपनाने की सलाह दी है। उनका मानना है कि आप अगर कुछ नियमों के साथ जिंदगी को जीते हैं और मेहनत करेंगे, तो एक दिन जरूर सफलता आपके कदम चूमेगी। चलिए बताते हैं सुंदर पिचाई के कुछ खास बातों के बारे में-

सुंदर पिचाई के कामयाब जीवन के 6 गोल्डन रुल्स क्या हैं-

1- जल्दी फैसले लें

सुंदर पिचाई का कहना है कि जल्दी फैसला लेने का नियम बनाएं। आप मिनटों में बदलती हुई दुनिया में जी रहे हैं, ऐसे में अगर आप जल्दी फैसला नहीं लेंगे, तो कोई और आपकी जगह पर आ जाएगा। फैसले गलत-सही हो सकते हैं और गलत होने पर बदले जा सकते हैं लेकिन सही वक्त के इंतजार में आप अच्छे मौके गंवा सकते हैं।

2- बिजी नहीं, प्रभावी बनें

जो लोग हमेशा बिजी दिखते हैं, जरूर नहीं कि वह सफल हो। आप पहले उन कामों को निपटाएं, जिससे प्रोडक्टिव चीजें हो और अच्छे रिजल्ट मिलें। सिर्फ काम करने के लिए काम करते रहना और खुद को थका लेने का कोई फायदा नहीं होता। ये तरीका फोकस और टाइम मैनेजमेंट करना सिखा देगा।

3- काम से प्यार करें

आप वही काम करें, जिसमें आपका दिल-मन लगे। तभी कोई भी काम

अच्छे से हो सकता है और किसी एक चीज में परफेक्ट बनकर सफल हो सकते हैं। अपने काम से प्यार करें और पैशन के साथ उसे करने की कोशिश करें।

4- आराम भी जरूरी

सभी कामों के बीच अपने आराम और पर्सनल लाइफ को लेकर नियम बनाएं। आराम और पर्सनल टाइम सभी के लिए जरूरी होता है। सुंदर पिचाई का कहना है कि वह 6 घंटे की नींद जरूर लेते हैं, फिर चाहे जितना भी काम हो।

5- नया सीखें

जिस दिन आपको लगेगा अब कुछ सीखने को नहीं बचा है, वही से आपकी ग्रोथ रुक जाएगी। टेक और सोशल मीडिया के जमाने में आप हर दिन कुछ नया सीखने के लिए तैयार रहें और नई स्किल्स सीखें। इससे आप सफल हो सकेंगे।

6- बड़ी सोच के साथ धैर्य

अपने करियर, सपनों को लेकर बड़ा सोचें और थोड़ा धैर्य रखें। सफलता रातोंरात नहीं मिलती है। उसके लिए काफी मुश्किलें आती हैं और मेहनत लगती है। आप कोई भी फैसला लें और उस पर टिके रहें। सभी सफलता मिलेगी।

किचन का एग्जॉस्ट फैन हो गया काला-चिपचिपा, बिना रगड़ें होगा साफ, बस अपनाएं 1 आसान ट्रिक

किचन में लगे एग्जॉस्ट फैन का काम होता है, धुएं को बाहर निकालना। इस काम को करते हुए एग्जॉस्ट फैन खुद काफी गंदा, काला, चिपचिपा हो जाता है। अगर आपका एग्जॉस्ट फैन भी गंदा हो चुका है, तो साफ करने के लिए आसान ट्रिक अपनाएं।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

किचन में खाना पकाते-पकाते आस-पास लगी चीजें गंदी और चिपचिपी हो जाती है। ऑयली फूड का चिपचिपापन कभी किचन के कैबिनेट में लग जाता है, तो कभी एग्जॉस्ट फैन को गंदा कर देता है। एग्जॉस्ट फैन किचन में भरे हुए धुएं, छौंके की महक, भस को कम करने में काफी मदद करता है।

आज भी कई घरों में चिमनी की जगह एग्जॉस्ट फैन लगा हुआ है लेकिन तेल वाले आइटम और गंदगी से इसके फैन चिपचिपे और गंदे हो जाते हैं। फिर इनकी हवा भी धीमी पड़ जाती है। अगर आपके घर के एग्जॉस्ट फैन भी स्लो काम करने लगे हैं, तो उन्हें अब सफाई की जरूरत है। इनकी सफाई करने के लिए आपको ज्यादा जूझना नहीं पड़ेगा, बस 1 ट्रिक की मदद लेनी है। चलिए बताते हैं सफाई करने के टिप्स-

क्लीनिंग टिप्स-

गर्म पानी-डिटर्जेंट

सबसे पहले आपको गुनगुने-गर्म पानी में डिटर्जेंट या फिर लिक्विड वॉश को घोलना है। अब कोई पुराना लेकिन साफ कपड़ा लें और उस पर इस पानी को लगाकर फैन साफ करें। ऐसा करने से फैन पर बैठी गंदगी-जाला-कालापन दूर हो जाएगा। गर्म पानी ब्लेड्स में हो रहा चिपचिपापन साफ कर देगा और पंख बिल्कुल साफ हो जाएंगे।

नींबू-बेकिंग सोडा

फिर आपको एक बाउल में नींबू का रस बेकिंग सोडा पाउडर और जरा सा गुनगुना पानी मिलाकर पेस्ट बनाना है। इस पेस्ट को स्क्रबर पर लगाकर फैन की सफाई करें। इससे आपके एग्जॉस्ट फैन पर लगी सारी गंदगी, धूल, ग्रीस, कालापन साफ हो जाएगा। बेकिंग सोडा मैल-चिपचिपेपन को काट देता है और चीजों को साफ कर देता है।

साफ कपड़ा

जब आप दोनों तरीकों से फैन को साफ कर लें, फिर साफ-सूखा कपड़ा लेकर उसे पोछ दें। एग्जॉस्ट फैन को अच्छे से पोछ लें, खासतौर पर मेन मशीन वाली जगह। पानी बिल्कुल नहीं होना चाहिए। 10-15 मिनट में इसका पानी सूख जाएगा और फिर आप चला सकते हैं। इस तरह से आपका एग्जॉस्ट फैन बिल्कुल नए जैसा साफ हो जाएगा।

बड़ी हो रही बेटी को प्यार के बारे में ये बातें जरूर बताए हर मां, जीवनभर काम आएंगे ये सबक!

PARENTING

जालंधर ब्रीज (फीचर) . एक उम्र के बाद प्यार में पड़ना बहुत स्वाभाविक है। प्यार जीवन को खूबसूरत बनाता है लेकिन ये बात भी सच है कि अगर उसमें समझ और सीमाएं ना हों तो वही प्यार गहरी चोट भी दे सकता है। ये समझने की जरूरत है कि रिश्ते सिर्फ भावनाओं से नहीं चलते, उन्हें समझ, सम्मान और आत्मसम्मान की जरूरत होती है। इसलिए ये बहुत जरूरी है कि हर मां को अपनी बढ़ती उम्र की बेटी को प्यार से जुड़ी कुछ सलाह जरूर देनी चाहिए, ताकि उनकी बेटी आत्मसम्मान, खुशी, सुरक्षा और मजबूती के साथ अपने जीवन में आगे बढ़ सके।

हर मां को अपनी बेटी को ये सलाह देना चाहिए कि जब भी किसी से दिल जुड़े, तो यह याद रखना बहुत जरूरी है कि प्यार के साथ जिम्मेदारी भी आती है। चाहे भावनाएं कितनी भी गहरी क्यों ना हों, कभी किसी टूटते हुए परिवार का कारण नहीं बनना चाहिए। किसी और के घर को उजाड़कर मिलने वाला प्यार सुकून नहीं देता। ऐसे हालात में खुद को शांत रखकर सोचने की जरूरत होती है। आत्मसम्मान वही है जो गलत रास्ते पर जाने से रोकता है। इंसानियत यही सिखाती है कि अपने सुख के लिए किसी और का दर्द न बढ़ाया जाए।

प्यार और पैसों के बीच साफ दूरी : प्यार में अक्सर लोग भावनाओं में बहकर ऐसे फैसले ले लेते हैं, जिनका असर पूरी जिंदगी पर पड़ता है। ऐसे में बेटी को ये सलाह देनी चाहिए कि अगर कोई आपसे पैसे उधार मांगे या अपने नाम पर लोन साइन करने को कहे, तो साफ मना करना सीखें। मदद करने की चाह अच्छी है, लेकिन आर्थिक जोखिम लेना समझदारी नहीं है। ऐसे मामलों में प्यार भी खतरे में पड़ जाता है और पैसा भी चला जाता है। सच्चा रिश्ता कभी आपको ऐसी मजबूरी में नहीं डालता।

सच और भरोसे का रिश्ता : हर मां को अपनी बेटी को समझाना चाहिए कि जहां रिश्ते में झूठ और छुपाव आने लगे, वहां खतरे की घंटी समझ लेनी चाहिए। अगर किसी बात का सच बताने में डर लगे, तो यह संकेत है कि रिश्ता सुरक्षित नहीं है। भरोसा तभी बनता है, जब दोनों बिना डर के सच बोल सकें। प्यार में डर की कोई जगह नहीं होती। जो रिश्ता आपको सच कहने से रोके, वह धीरे-धीरे आपको अंदर से कमजोर कर देता है।

सम्मान के बिना प्यार नहीं : बेटी को ये समझाना चाहिए कि किसी भी हाल में अपनी बेइज्जती सहना सही नहीं है। अगर कोई आदमी आप पर चिल्लाता है, गाली देता है या हाथ उठाता है, तो उसके लिए बहाने मत ढूंढो। यह प्यार नहीं, बल्कि हिंसा है। आपकी गरिमा सबसे कीमती है।

सर्दियों में गर्म पानी से नहाने पर क्या वाकई हड्डियां कमजोर हो जाती हैं? ऑर्थोपेडिक सर्जन ने बताया!

Health लोगों को अक्सर आपने कहते सुना होगा कि गर्म पानी से नहाने पर हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। सवाल है कि इन बातों में भला कुछ सच्चाई है भी या नहीं। ऑर्थोपेडिक सर्जन ने इसी बारे में बताया है।

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

सर्दियों में ना नहाने के बहाने ढूंढना बड़ा कॉमन है। आखिर ठंड में भला कौन नहाए, किसी टॉर्चर से कम थोड़ी है ये? ज्यादातर लोग यही सोचकर खुद को तसल्ली दे देते हैं। वहीं जो रेगुलर नहाते भी हैं, वो सर्दियों में ज्यादातर गर्म पानी ही इस्तेमाल करते हैं। अब गर्म पानी से नहाने की बात करें तो इसे ले कर भी कई मिथ बड़े पॉपुलर हैं। जैसे लोगों को अक्सर आपने कहते सुना होगा कि गर्म पानी से नहाने पर हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। कहते हैं कि गर्म पानी हड्डियों के कैल्शियम को पिघला देता है, जिससे वो कमजोर होने लगती हैं। अब सवाल है कि इन बातों में भला कुछ सच्चाई है भी या नहीं। ऑर्थोपेडिक सर्जन ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसी बारे में बताया है। आइए जानते हैं।

क्या गर्म पानी से नहाने पर हड्डियां कमजोर होती हैं?

ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ बताते हैं कि इस बात में बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है कि गर्म पानी से नहाने पर हड्डियों का कैल्शियम पिघलने लगता है और वो कमजोर पड़ने लगती हैं। दरअसल आपकी हड्डियों की मजबूती इस बात पर डिपेंड करती है कि आपका विटामिन डी लेवल, कैल्शियम, प्रोटीन इंटेक और एक्टिविटी लेवल कितना है। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि आप ठंडे पानी से नहा रहे हैं या फिर गर्म पानी से।

रोज नहाना है एक अच्छी आदत

डॉ कहते हैं कि भले ही सर्दियां हों लेकिन रोज नहाना एक अच्छी आदत है, जो आपके हाइजीन लेवल को मेंटेन रखती है। सिर्फ ठंड की वजह से रोज ना नहाना, इसका कोई भी साइंटिफिक लॉजिक नहीं है। हालांकि जिन लोगों को बैलेंस इश्यू होने शुरू हो जाते हैं या गिरने के चांस ज्यादा होते हैं, उन्हें डॉक्टर 2-3 दिन में एक बार नहाने की सलाह देते हैं।

क्या ज्यादा गर्म पानी नुकसानदायक हो सकता है?

हालांकि गर्म पानी से बोन वीक होने वाली बात एक मिथ है, लेकिन सर्दियों में बहुत ज्यादा गर्म पानी से नहाना कुछ लोगों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है।

ज्यादा गर्म पानी स्किन के नेचुरल ऑयल को खत्म कर देता है, जिससे स्किन में ड्राइनेस, खुजली और रैशेज की समस्या हो सकती है। इसके अलावा लंबे समय तक गर्म पानी से नहाने पर बीपी लो रहने का खतरा भी होता है।

सर्दियों में नहाने का सही तरीका क्या हो?

सर्दियों में नहाते हुए बहुत गर्म पानी का इस्तेमाल करने से बचें। पानी ऐसा रखें, जो ज्यादा तेज गर्म ना हो लेकिन उससे नहाने पर ठंड भी ना लगे। नहाने के तुरंत बाद स्किन को अच्छे से सुखाएं और फिर कोई मॉइश्चराइजर या ऑयल अप्लाई कर लें। ताकि स्किन ज्यादा ड्राई ना हो।

डिस्क्लेमर : *यह लेख केवल सामान्य जानकारी के उद्देश्य से लिखा गया है। इसे किसी भी तरह से पेशेवर मेडिकल सलाह का विकल्प न मानें। किसी भी स्वास्थ्य समस्या या मेडिकल कंडीशन से जुड़े सवालों के लिए हमेशा अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें।*

भारत का भविष्य-निर्माण : मांग, रोजगार के अवसर और आत्मनिर्भर वृद्धि

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

प्रत्येक भारतीय वस्त्र उत्पाद में कपड़े से कहीं आगे की कहानी छिपी होती है, यह कहानी साहस, आत्मविश्वास और शांत परिवर्तन से जुड़ी है। यह प्रतिबिंबित करती है कि कैसे एक महिला गरिमा के साथ कार्यबल में प्रवेश करती है, कैसे एक परिवार निरंतर आय के माध्यम से स्थिरता पाता है और किस प्रकार प्रथम-पीढ़ी का उद्यमी, कौशल को आत्मनिर्भरता में बदल देता है। पिछले 11 वर्षों में, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णायक और दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत का वस्त्र क्षेत्र एक पारंपरिक उद्योग से एक शक्तिशाली, रोजगार सृजक और जन-केंद्रित वृद्धि इंजन में बदल गया है, जो आत्मनिर्भर भारत की सच्ची भावना को दर्शाता है।

मांग, पैमाना और निर्यात: वृद्धि की आधारशिला : भारत के वस्त्र उद्योग के पुनरुत्थान का आधार मजबूत घरेलू मांग और बढ़ते उपभोग में निहित है। 140 करोड़ से अधिक की आबादी के साथ, भारत दुनिया के सबसे सुदृढ़ वस्त्र बाजारों में से एक है। इस परिवर्तन का पैमाना आंकड़ों से स्पष्ट होता है। भारत का घरेलू वस्त्र बाजार केवल पांच वर्षों में लगभग ₹8.4 लाख करोड़ से बढ़कर अनुमानित ₹13 लाख करोड़ हो गया। उपभोग के रुझान इस गति को और भी मजबूत करते हैं: पिछले दशक में प्रति व्यक्ति वस्त्र उपभोग लगभग दोगुना हो गया है, जो 2014-15 के लगभग ₹3,000 से बढ़कर 2024-25 में ₹6,000 से अधिक हो गया और 2030 तक फिर से दोगुनी वृद्धि के साथ ₹12,000 होने का अनुमान है। इस मांग-आधारित विस्तार का प्रतिबिंब, निर्यात में दिखाई पड़ता है। वस्त्र और परिधान का निर्यात 2019-20 के ₹2.49 लाख करोड़, जिस वर्ष कोविड की आपदा आयी थी, से बढ़कर 2024-25 में लगभग ₹3.5 लाख करोड़ हो गया, इस प्रकार कोविड के बाद के दौर में लगभग 28% की वृद्धि दर्ज की गयी। इस तेज़ उछाल से भारत की क्षमता उजागर होती है कि वह वैश्विक मांग में वृद्धि होने पर तेजी से अपना उत्पादन बढ़ा सकता है और, सबसे महत्वपूर्ण, निर्यात वृद्धि को वस्त्र मूल्य श्रृंखला में रोजगार के अवसरों में बदल सकता है।

वस्त्र उद्योग, भारत के कार्यबल पुनरुद्धार को सक्षम बना रहा है : वस्त्र उद्योग भारत की रोजगार अर्थव्यवस्था का प्रमुख घटक है। आज, यह क्षेत्र कृषि के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा रोजगार-प्रदाता है, जो 2023-24 के अंत तक लगभग 5.6 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष रूप से समर्थन दे रहा है। कार्यबल की यह संख्या 2014 की तुलना में लगभग दोगुनी हो गयी है। कोविड के बाद का चरण विशेष रूप से परिवर्तनकारी रहा है: 2020 से निर्यात-केंद्रित विकास से केवल संगठित क्षेत्र में ही अनुमानित 1.5 करोड़ नई नौकरियों का सृजन हुआ है। यदि उद्योग को समर्थन देने वाले व्यापक असंगठित इकोसिस्टम को ध्यान में रखा जाए, तो रोजगार परिदृश्य और भी बड़ा हो जाता है, जो वस्त्र उद्योग को भारत के सर्वाधिक समावेशी और सुदृढ़ आजीविका स्त्रोतों में से एक के रूप में रेखांकित करता है।

गिरिराज सिंह
(केंद्रीय वस्त्र मंत्री)

क्षमता सृजन और सिलाई मशीन का प्रभाव : इस निर्यात सुदृढ़ता के पीछे एक निर्णायक बदलाव छिपा है, जो क्षमता-आधारित वृद्धि की दिशा में किया गया है। पिछले दशक में वस्त्र क्षेत्र का विस्तार एक अनजानी नायिका: सिलाई मशीन, की शक्ति से संभव हुआ है। एक उपकरण से आगे बढ़कर सिलाई मशीन वृद्धि के लिए एक उत्प्रेरक बन गई है, इससे यह बात साबित होती है कि कभी-कभी रोजगार और औद्योगिक स्तर पर सबसे बड़े परिवर्तन सबसे छोटी मशीनों से शुरू होते हैं। केवल कोविड के बाद ही, 1.8 करोड़ से अधिक सिलाई मशीनें भारत के उत्पादन इकोसिस्टम के लिए आयात की गई हैं। 2024-25 में, आयात 61 लाख मशीनों के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे अधिक है। प्रत्येक मशीन वस्त्र-से-परिधान मूल्य श्रृंखला में लगभग 1.7 श्रमिकों के रोजगार का समर्थन करती है। परिणामस्वरूप, महामारी के बाद सिलाई मशीन के आयात में वृद्धि से वस्त्र क्षेत्र में 3 करोड़ से अधिक नौकरियों का सृजन हुआ है, इस प्रकार क्षमता विस्तार को बड़े पैमाने पर रोज़गार वृद्धि के साथ मज़बूती से जोड़ा गया है।

क्षमता में वृद्धि इस बात की व्याख्या करती है कि जब वैश्विक खरीदार वापस आये, तो कैसे भारतीय कारखाने तैयार थे, किस प्रकार वे अल्प अवधि में उच्च उत्पादन और मजबूत अनुपालन करने में सक्षम थे। महत्वपूर्ण यह है कि रोजगार सृजन केवल आधुनिक कारखानों तक सीमित नहीं रहता। जब इकाइयाँ उन्नत होती हैं, तो पुरानी मशीनें ग्रे मार्केट में चली जाती हैं और छोटे उद्यमों, सिलाई इकाइयों और घरेलू व्यवसायों द्वारा इनका पुन: उपयोग किया जाता है, जिससे जमीनी स्तर पर रोजगार का विस्तार होता है। इस विकेंद्रीकृत विस्तार के केंद्र में महिलाएँ, ग्रामीण युवा और पहली पीढ़ी के उद्यमी हैं। विशेष रूप से असंगठित खंड में इस रोजगार के पूरे पैमाने की पहचान करने और समझने के लिए, सरकार जिला नेतृत्व में वस्त्र रूपांतरण (डीएलटीटी) पहल को आगे बढ़ा रही है। कार्यबल को औपचारिक बनाकर और डेटा संग्रह में सुधार करके, डीएलटीटी यह सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखता है कि रोजगार वृद्धि केवल संख्या में बड़ी न हो, बल्कि कौशल, सामाजिक सुरक्षा और दीर्घकालिक स्थिरता द्वारा समर्थित भी हो।

कारखानों से कारीगरों तक: सभी के लिए रोजगार : 2030 के लिए हमारा विज़न स्पष्ट है: वस्त्र उद्योग को भारत में रोजगार सृजन और समावेशी विकास के सबसे मजबूत इंजनों में से एक के रूप में स्थापित करना। फास्ट फैशन एक शक्तिशाली नए संचालक के रूप में उभर रहा है। आज 20 अरब डॉलर के मूल्य वाले वैश्विक फास्ट फैशन बाजार की 2030 तक 60 अरब डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है। इसके लिए चुस्त निर्माण और तेज़ उत्पादन की मांग भारत को अनुकूल स्थिति प्रदान करती है और इससे अगले 4 वर्षों में रोजगार के लगभग 40 लाख अतिरिक्त अवसरों के सृजन की उम्मीद है।

पीएम मित्र पार्क में अकेले 20 लाख से अधिक रोजगार सृजन की क्षमता है, जबकि पीएलआई योजना नए कारखानों और नये निवेशों के माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के 3 लाख से अधिक अवसर पैदा करने के लिए तैयार है। व्यापक वस्त्र मूल्य श्रृंखला आजीविका के लगभग 50 लाख अतिरिक्त अवसरों का सृजन करेगी। नए मुक्त व्यापार समझौते वस्त्र निर्यात और रोजगार बढ़ा रहे हैं और आने वाले भारत-ईयू एफटीए से नए बाजार खुलेंगे, प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और रोजगार का अगला प्रवाह पैदा होगा।

औद्योगिक विकास के साथ-साथ, भारत का हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र सतत रोजगार का आधार बना हुआ है। 65 लाख से अधिक कारीगरों और बुनकरों का समर्थन करने वाला यह क्षेत्र पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार उत्पादों की वैश्विक मांग के साथ स्वाभाविक रूप से अनुकूल है। निर्यात वर्तमान में लगभग ₹50,000 करोड़ है, और 2032 तक इसे दुगना करके ₹1 लाख करोड़ करने का स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विशिष्ट योजनाओं और बाजार तक आसान पहुंच से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से, 2030 तक कार्यबल में लगभग 20 लाख अतिरिक्त कारीगरों और बुनकरों के शामिल होने की उम्मीद है।

कोविड के बाद आजीविका को सशक्त बनाने में वस्त्र उद्योग : भारत की वस्त्र कहानी अंततः रोजगार के बारे में है - व्यापक, विविध और समावेशी। कोविड के बाद, 2020 से 2030 के दशक में भारतीय वस्त्र उद्योग के रूपांतरित होने की संभावना है और इस क्षेत्र से संगठित और असंगठित क्षेत्रों में 5 करोड़ से अधिक नए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। यह पहली पीढ़ी के उद्यमियों का निर्माण कर रहा है, महिलाओं के लिए स्थिर रोजगार प्रदान कर रहा है और ग्रामीण युवाओं के लिए अवसर उत्पन्न कर रहा है। जैसे-जैसे भारत विकसित भारत 2047 की ओर आगे बढ़ रहा है, वस्त्र उद्योग आत्मनिर्भर, वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था के निर्माण में केंद्रीय भूमिका निभाता रहेगा, जहाँ आधुनिक उत्पादन क्षमता, कुशल श्रमिक और सुदृढ़ मांग साथ मिलकर गरिमा के साथ विकास का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

बिना रुकावट के शासन : बुनियादी ढांचे के लिए भारत की संस्थागत संरचना

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

आज़ादी के बाद से, बुनियादी ढांचे ने भारत की प्रगति की सोच को आकार दिया है। कल्पना साफ़ थी: रेलवे दूर-दराज के इलाकों को जोड़ेगी, राजमार्ग राज्यों के बीच व्यापार करेंगे, बांध ऊर्जा और सिंचाई का आधार बनेंगे, और बिजली की लाइनें सबसे दूर के गांवों तक रोशनी पहुंचाएंगी। जैसे-जैसे प्रोजेक्ट बड़े होते गए, वे और भी उलझते गए। ज़मीन मंज़ूरी का इंतज़ार करती रही, मंज़ूरी डिज़ाइनों का इंतज़ार करती रहीं, डिज़ाइन उपयोग बदलने का इंतज़ार करते रहे, और इसके लाभ दूसरे कार्यालय, दूसरे अधिकार क्षेत्र, दूसरी फ़ाइल में दबी मंज़ूरियों का इंतज़ार करती रहीं। हर देरी का एक कारण था, हर कारण का कोई जिम्मेदार था, और फिर भी कोई भी असल में नतीजे की ज़िम्मेदारी नहीं लेता था। सालों तक, अनेक परियोजनाएं टुकड़ों-टुकड़ों में चलती रही, जिनकी समीक्षा अलग-अलग की गई, बाद में सफाई दी गई, और हमेशा के लिए देरी होती रही। जब तरक्की रुकी, तो ज़िम्मेदारी प्रक्रिया में घुल गई। हर जगह हलचल थी, लेकिन कहीं भी गति नहीं थी।

अरिहन्त कुमार
(प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पीएमजी) में लीड और सीनियर असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट)

जिस चीज़ की कमी थी, वह इरादा या निवेश नहीं था, बल्कि एक ऐसा फोरम था जहाँ आपस में जुड़ी हुई रुकावटों को एक साथ देखा जा सके, एक साथ सुलझाया जा सके और उन्हें खत्म किया जा सके। प्रोजेक्ट गवर्नेंस में इसी शांत लेकिन महत्वपूर्ण कमी को प्रगति के नेतृत्व वाले इकोसिस्टम ने भरने का बीड़ा उठाया।

प्रगति, समीक्षा की एक नई परत के रूप में नहीं आई, बल्कि एक ऐसे जंक्शन के रूप में आई जहाँ समानांतर ट्रैक आखिरकार मिले। इसकी कल्पना 2015 में की गई, यह देखने में एक आसान सा विचार था: कि निगरानी से फैसले होने चाहिए, और फैसलों का नतीजा डिलीवरी होना चाहिए। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में, यह केन्द्रीय सचिवों और राज्य के मुख्य सचिवों को एक साथ लाया, और उन लोगों को एक साथ जोड़ा जिनके पास राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं और उनकी रुकावटों के बारे में एक ही, साझा नज़रिए के साथ काम करने की शक्ति थी। उस कमरे में, देरी अब भाषा के पीछे छिप नहीं सकती थी। विशेष उपलब्धियों की जांच की गई, मुद्दों को सामने लाया गया, और सीधे सवाल पूछे गए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ज़िम्मेदारी का एक नाम, एक निर्धारित समय और वापस आने की तारीख तय की गई। फिर भी, प्रगति की असली कहानी सिर्फ़ इन उच्चस्तरीय समीक्षाओं के दौरान सामने नहीं आती। यह उस शांत, लगातार चल रहे काम में ज़िंदा रहती है जो इनसे पहले और बाद में होता है। यह तैयारी का अनुशासन, संस्थागत स्मृति और फॉलो-थ्रू प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पीएमजी) द्वारा प्रदान किया जाता है, जो इस ईकोसिस्टम परिचालन की रीढ़ है।

मैंने पीएमजी को उस तरह से बढ़ते देखा है जैसे संस्थाएं शायद ही कभी बढ़ती हैं, धैर्य और उद्देश्य के साथ। जो एक साधारण डिजिटल इंटरफ़ेस के रूप में शुरू हुआ था, वह एक परिपक्व, टेक्नोलॉजी-संचालित, उपलब्धियों पर आधारित निगरानी प्लेटफ़ॉर्म में विकसित हो गया है जिसने भारत में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर नजर रखने और समाधान का तरीका बदल दिया है। इस वास्तुकला के भीतर, पीएमजी समेकन और विश्लेषण के पहले बिंदु के रूप में कार्य करता है, जो प्रहरी और संचारक दोनों के रूप में काम करता है। टीम परियोजनाओं पर बारीकी से नजर रखती है, ज़मीनी हकीकत सुनती है, दावों को प्रमाणित करती है, और जटिल इनपुट को प्रगति के तहत उच्च-स्तरीय समीक्षाओं के लिए संरचित जानकारियों में बदलती है। जो जानकारी पहले फ़ाइलों, पत्राचार और समय-समय पर होने वाली समीक्षाओं में बिखरी रहती थी, वह अब एक ही डिजिटल सिस्टम में समेकित हो गई है, जिसमें प्रगति, लागत, समय-सीमा, उपलब्धि और ज़मीन से मिली तस्वीरों के सबूतों पर वास्तविक समय के आंकड़े शामिल है। कैबिनेट द्वारा स्वीकृत प्रोजेक्ट मंज़ूरी के कुछ ही दिनों के भीतर सिस्टम में आ जाते हैं, उनकी यात्रा लगातार डेटा प्रवाह के माध्यम से मैप की जाती है जिससे पिछली रिपोर्टिंग के बजाय मौजूदा वास्तविकताओं के आधार पर निर्णय लिए जाते हैं।

इस प्लेटफॉर्म की सबसे खास बात इसकी ढांचागत परियोजना और इश्यू ट्रैकिंग फ्रेमवर्क है। कार्यान्वयन में आने वाली रुकावटें अब चिट्ठियों या अटैचमेंट में छिपी नहीं रहतीं; उन्हें औपचारिक तौर पर लॉग किया जाता है, टाइम-स्टैम्प किया जाता है, और संबंधित साझेदार को समाधान के लिए तय टाइमलाइन के साथ साफ तौर पर जिम्मेदारी सौंपी जाती है। इसमें शुरू से ही पारदर्शिता शामिल है। केन्द्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें, जिला प्रशासन और परियोजना चलाने वाले सभी एक ही जानकारी एक साथ देखते हैं, टिप्पणियां दे सकते हैं, अपडेट अपलोड कर सकते हैं और काम पूरा होने तक प्रगति पर निगरानी रख कर सकते हैं।

यह साझा विजिबिलिटी जवाबदेही को पूरी तरह से बदल देती है। रोल-बेस्ड डैशबोर्ड पर्सनलाइज्ड व्यू देते हैं, जिससे सीनियर लीडरशिप से लेकर जिला प्रशासन तक के अधिकारी यह देख पाते हैं कि उनके अधिकार क्षेत्र में किस चीज़ पर ध्यान देने की ज़रूरत है। ऑटोमेटेड अलर्ट, रिमाइंडर और कम्प्लायंस ट्रैकिंग यह पक्का करते हैं कि मुद्दे समय के साथ खत्म न हों, बल्कि समाधान होने तक बार-बार सामने आते रहें। मीटिंग के एजेंडा, मिनट्स और समीक्षा दस्तावेज सीधे डेटा से जेनरेट होते हैं, जिससे रूटीन रिपोर्टिंग का काम कम होता है और फैसले लेने पर फोकस बढ़ता है।

नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. पॉल ने इमटैक के 42वें स्थापना दिवस समारोह में अपनी गरिमामय उपस्थिति प्रदान की

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

सीएसआईआर- सूक्ष्मजीव प्रद्यौगिकी संस्थान (इमटैक), चंडीगढ़ ने आज कई कार्यक्रमों का आयोजन करते हुए अपना 42वां स्थापना दिवस मनाया, जिनमें नीति आयोग के सदस्य डॉ. विनोद के पॉल द्वारा दिया गया बहुप्रतीक्षित स्थापना दिवस व्याख्यान भी शामिल था। नीति आयोग में स्वास्थ्य, पोषण एवं शिक्षा विभागों का नेतृत्व कर रहे डॉ. पॉल ने इस वर्ष के स्थापना दिवस पर "भविष्य महामारी की तैयारी: अब हमें क्या करना आवश्यक है" विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. पॉल ने बताया कि कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत सरकार के सभी प्रयास विज्ञान और साक्ष्यों पर आधारित थे, और सरकार, राष्ट्र और समाज कार्य योजना के हितधारक थे। उन्होंने महामारी के दौरान इमटैक द्वारा आरटी-पीसीआर परीक्षण, कोविड-19 सबयूनिट प्रोटीन आधारित वैक्सीन के विकास और एसएआरएस-कोव-2 के खिलाफ एंटीवायरल स्क्रीनिंग शुरू करने के प्रयासों की सराहना की। भविष्य की महामारी की तैयारी के लिए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैज्ञानिकों को पहले से ही ऐसी रणनीतियों और उपायों के साथ तैयार रहना चाहिए जो प्रकोप के पहले 100 दिनों के भीतर उपलब्ध कराए जा सकें।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. पॉल ने कहा, "हम युद्ध की तैयारी तब करते हैं जब हम युद्ध में नहीं होते, और भविष्य की महामारियों से निपटने के लिए बहुत सारा काम अभी इमटैक जैसी माइक्रोबियल प्रयोगशालाओं में किया जाना चाहिए। शासन, निगरानी, अनुसंधान और साझेदारी भविष्य की महामारी रणनीति के आधार स्तंभ हैं।" उन्होंने इमटैक के वैज्ञानिकों के लिए एक प्रारूप प्रस्तुत किया और उनसे उन प्रमुख रोगजनकों पर अनुसंधान करने का आग्रह किया जिनमें भविष्य में महामारियां फैलाने की क्षमता है। द्वितीय चरण के नैदानिक परीक्षण तक प्रतिउपाय विकसित करना, उद्योग के साथ साझेदारी में काम करना, कुशल आपूर्ति श्रृंखला बनाना और क्षमता एवं गति का प्रदर्शन करना भारत के लिए किसी भी महामारी शमन रणनीति की कुंजी होनी चाहिए।

सीएसआईआर-इमटैक के निदेशक डॉ. संजीव खोसला ने इमटैक के 42वें स्थापना दिवस पर उपस्थित अतिथियों और संकाय सदस्यों का स्वागत करते हुए पिछले एक वर्ष में संस्थान की उपलब्धियों से अवगत कराया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा, "सूक्ष्मजीवों के साथ नवाचार करना और जीवन को प्रभावित करना पिछले चार दशकों से इमटैक परिवार के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए मार्गदर्शक रहा है। 42वां स्थापना दिवस इमटैक द्वारा चार दशकों से अधिक समय से सूक्ष्मजीव विज्ञान में उत्कृष्टता की निरंतर खोज का प्रमाण है, जिसका उद्देश्य नवाचार को अग्रणी बनाकर भारत को भविष्य की ओर अग्रसर करना है।" डॉ. खोसला ने सीएसआईआर-इमटैक

में जैव उपचार, प्राकृतिक खेती, रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर), तंत्रिका अपक्षयी रोग और अन्य उद्योगों के साथ सहयोग से चल रही परियोजनाओं के बारे में भी श्रोताओं को जानकारी दी।

संस्थान के सुदृढ़ उद्योग संपर्क कार्यक्रम के अनुरूप, सीएसआईआर-इमटैक ने अपने व्यापार विकास समूह के माध्यम से पुणे स्थित प्राज इंडस्ट्रीज लिमिटेड और जर्मनी स्थित हेनकेल एजी एंड कंपनी के साथ दो गोपनीयता प्रकटीकरण समझौते (सीडीए) पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर, सीएसआईआर के पूर्व महानिदेशक और सीएसआईआर-इमटैक के निदेशक, स्वर्गीय डॉ. गिरीश साहनी की स्मृति में एक पुस्तक का विमोचन भी किया गया। "डॉ. गिरीश साहनी की जीवनी: विज्ञान और सेवा में एक जीवन" शीर्षक वाली यह पुस्तक चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एमेरिटस डॉ. राजिंदर सिंह और एनआईपीईआर मोहाली के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. अभय एच. पांडे द्वारा लिखित है। यह पुस्तक डॉ. साहनी की उपलब्धियों का वर्णन करती है और विज्ञान के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान को उजागर करते हुए भावी पीढ़ी पर उनके कार्यों के प्रभाव को भी दर्शाती है।

संस्थान ने आम जनता के लिए एक 'ओपन डे' का भी आयोजन किया, जिसके दौरान त्रिशहर और उसके आसपास के क्षेत्रों से छात्रों, शोधकर्ताओं, स्नातकों और विज्ञान प्रेमियों ने परिसर का दौरा किया और सूक्ष्म जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की।

सीएसआईआर-इमटैक सूक्ष्मजीव विज्ञान में उत्कृष्टता का एक राष्ट्रीय केंद्र है और इसकी स्थापना 1984 में हुई थी। इमटैक का दृष्टिकोण और मिशन मौलिक खोजों द्वारा सुदृढ़ एक अनुवांशिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना और अत्याधुनिक प्रक्रियाओं और प्लेटफार्मों के साथ स्वास्थ्य सेवा और औद्योगिक क्षेत्र की अधूरी जरूरतों को पूरा करना है।

युवा ही विकसित भारत का आधार, 2047 के लक्ष्य को करेंगे साकार : मनोहर लाल

• **जालंधर ब्रीज** . पंचकुला

गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) की 50वीं वाहिनी, सेक्टर-26, पंचकुला (हरियाणा) में रोजगार मेले की श्रृंखला के 18वें संस्करण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय मनोहर लाल, केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री, भारत सरकार रहे। कार्यक्रम में पवन कुमार नेगी, उप महानिदेशक, क्षेत्रीय मुख्यालय (शिमला) भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने आईटीबीपी, सीआईएसएफ, बीएसएफ, एसबीआई, गेल (GAIL) सहित अन्य केंद्रीय संस्थानों में चयनित 109 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। केंद्रीय मंत्री ने सभी चयनित युवाओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मनोहर लाल ने सभी युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी युवाओं की हर प्रकार से चिंता करते हैं। प्रधानमंत्री जी का दृष्टिकोण युवाओं की शिक्षा, उनकी स्किलिंग, उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान करने तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि आज का युवा ही हमारा भविष्य है। जो युवा आज नौकरी प्राप्त कर रहा है, वही

वर्ष 2047 में, जब देश 'विकसित भारत' के रूप में आगे बढ़ेगा, उस परिवर्तन का साक्षी बनेगा। आज युवाओं के कंधों पर जो जिम्मेदारी सौंपी जा रही है, उसी के बल पर देश आगे बढ़ेगा, आत्मनिर्भर बनेगा और विकसित भारत का लक्ष्य साकार होगा।"

इस अवसर पर कार्यक्रम के नोडल अधिकारी शैलेंद्र सिंह नरकोटी, कमांडेंट, 50वीं वाहिनी, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल ने अपने संबोधन में कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा प्रारंभ किया गया रोजगार मेला अभियान युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले की इस श्रृंखला के अंतर्गत देशभर में हजारों युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे देश को आत्मनिर्भर एवं विकसित बनाने के लक्ष्य को बल मिल रहा है।

कार्यक्रम में चयनित अभ्यर्थियों के परिजन, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के वरिष्ठ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

हम केवल विकास नहीं बल्कि सामाजिक समावेशन के साथ विकास कर रहे हैं: हरदीप सिंह पुरी

• *जालंधर ब्रीज* . *चंडीगढ़*

युवा शक्ति के साथ विकसित भारत के संकल्प को प्रोत्साहन देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो संदेश के माध्यम से देश के विभिन्न 45 स्थानों पर रोजगार मेलों को संबोधित किया और नव-नियुक्त युवाओं को 61,000 से अधिक नियुक्ति-पत्र वितरित किए गए। इसी के तहत परिवहन वाहिनी, तिब्बत सीमा पुलिस बल, बहलाना कैंप, चंडीगढ़ ने शनिवार को रोजगार मेला के 18वें संस्करण का आयोजन किया।

इस पहल ने भारत सरकार के पारदर्शी, समयबद्ध और समावेशी भर्ती की मिशन-प्रेरित दृष्टिकोण में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया, जो सार्वजनिक संस्थानों को मजबूत करने और युवाओं को सशक्त बनाने का लक्ष्य रखता है।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने परिवहन वाहिनी, तिब्बत सीमा पुलिस बल, बहलाना कैंप, चंडीगढ़ स्थित रोजगार मेले में नियुक्ति पत्रों को नव नियुक्त उम्मीदवारों को औपचारिक रूप से सौंपे। चंडीगढ़ में समारोह के दौरान विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के लिए कुल 107 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र प्राप्त हुए। इनमें आईटीबीपी में 10, सीआरपीएफ में 36, सीआईएसएफ में 30, असम राइफल्स में 8, बैंक ऑफ बड़ौदा में 2, यूनियन बैंक में 3, और इलेक्ट्रॉनिक्स

एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में 18 नियुक्तियां शामिल थीं, जो रोजगार मेला के माध्यम से उत्पन्न हो रही सार्वजनिक सेवा के व्यापक अवसरों को दर्शाती हैं।

समागम को संबोधित करते हुए, हरदीप सिंह पुरी जी ने नव नियुक्त उम्मीदवारों और उनके परिवारों को बधाई दी तथा इस अवसर को समर्पण, अनुशासन और दृढ़ता के वर्षों को प्रतिबिंबित करने वाला गौरवपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने जोर दिया कि सार्वजनिक सेवा एक जिम्मेदारी है जहां सरकारी नीतियां नागरिकों के लिए ठोस परिणामों में बदल जाती हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये नियुक्तियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित विकसित भारत@2047 के दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

पुरी ने बताया कि रोजगार मेला के प्रारंभ से देशभर में 11 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं, जो सरकार की मिशन-मोड भर्ती के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करती हैं।

18वें रोजगार मेले के तहत जालंधर में 651 युवाओं को नियुक्ति-पत्र वितरित किए गए

देश की प्रगति में युवा वर्ग की विशेष भूमिका – डॉ. अतुल फुलज़ेले

• **जालंधर ब्रीज** . *चंडीगढ़*

युवा शक्ति के साथ विकसित भारत के संकल्प को प्रोत्साहन देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो संदेश के माध्यम से देश के विभिन्न 45 स्थानों पर रोजगार मेलों को संबोधित किया और नव-नियुक्त युवाओं को 61,000 से अधिक नियुक्ति-पत्र वितरित किए गए। इस 18वें रोजगार मेले के तहत मुख्यालय पंजाब फ्रंटियर, बीएसएफ, जालंधर कैंट में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस विशेष समारोह में मुख्यालय पंजाब फ्रंटियर, बीएसएफ के इंस्पेक्टर जनरल (आई.जी.) डॉ. अतुल फुलज़ेले, डीआईजी (जी) कंवलजीत सिंह, डीआईजी (पीएसओ) सी.एच. सेतुराम तथा बीएसएफ के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नव-नियुक्तों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए गए। इस दौरान 651 युवाओं को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए गए।

अपने संबोधन में डॉ. अतुल फुलज़ेले ने नव-नियुक्तों को बधाई देते हुए कहा कि देश की प्रगति में युवा वर्ग की विशेष भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में वर्ष 2022 में शुरू किए गए रोजगार मेलों के माध्यम से अब तक देश भर के लाखों युवाओं को रोजगार मिला है, जिससे देश की प्रगति की

गति और तेज हुई है। डॉ. अतुल फुलज़ेले ने कहा कि देश की निरंतर हो रही प्रगति के साथ-साथ रोजगार के भी असीम अवसर पैदा हो रहे हैं, जो देश के युवाओं के सुनहरे भविष्य की ओर संकेत करते हैं।

डॉ. फुलज़ेले ने कहा कि भारत सरकार ने रोजगार के कई रास्ते खोले हैं, जिनके बारे में युवाओं को अधिक से अधिक जागरूक होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज कौशल-आधारित रोजगार की मांग निरंतर बढ़ रही है, इसलिए युवाओं को अपने कौशल पहचानने और उन्हें निखारने की दिशा में मेहनत करनी चाहिए। डॉ. फुलज़ेले ने युवाओं को और अधिक उपलब्धियों के लिए कठोर परिश्रम करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि रोजगार प्राप्ति के बाद भी युवाओं को अपने ज्ञान में वृद्धि करने के प्रयास करते रहने चाहिए, ताकि वे और आगे बढ़ सकें।

बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े दो व्यक्ति नवांशहर से गिरफ्तार; आईईडी बरामद

नालागढ़ पुलिस थाना ब्लास्ट केस में शामिल दो अन्य व्यक्तियों की पहचान हुई, एसएसपी तुषार गुप्ता ने कहा- मुलजिमों को पकड़ने के लिए छापेमारी जारी

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/नवांशहर

मुलजिमों की पहचान शमशेर सिंह उर्फ शेरू उर्फ कमल और प्रदीप सिंह उर्फ दीपू के रूप में हुई है, जो एसबीएस के अंतर्गत आने वाले कस्बा राहों के निवासी हैं। पुलिस टीमों ने उनके कब्जे से एक इम्प्रूवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) भी बरामद की है।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि पंजाब पुलिस ने हिमाचल प्रदेश के नालागढ़ पुलिस थाना ब्लास्ट केस की जांच में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए पाक-आईएसआई से समर्थन प्राप्त बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) आतंकवादी नेटवर्क से जुड़े एक नारको-आतंकवादी मॉड्यूल की साजिश का पर्दाफाश किया है और इसके दो गुर्गों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी आज यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी। यह कार्रवाई हिमाचल प्रदेश पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के साथ निकट समन्वय से की गई है। गिरफ्तार गिरफ्तार किए गए मुलजिम गुरप्रीत उर्फ गोपी नवांशहरिया और बीकेआई के मास्टरमाइंड हरविंदर रिंदा के निकटतम साथी शुशांत चोपड़ा के निर्देशों पर काम कर रहे थे।

डीजीपी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार मुलजिमों ने 31 दिसंबर, 2025 को अपने दो साथियों के साथ मिलकर पंजाब से हिमाचल प्रदेश एक आईईडी पहुंचाई थी, जिसका उपयोग पुलिस संस्थानों को निशाना बनाने की एक बड़ी साजिश के हिस्से के रूप में 1 जनवरी, 2026 को हुए नालागढ़ पुलिस स्टेशन धमाके में किया गया था। उन्होंने कहा कि इस मामले में अगले-पिछले संबंधों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

नवांशहर के सीनियर सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसएसपी) तुषार गुप्ता ने कार्रवाई के विवरण साझा करते हुए कहा कि राहों पुलिस थाने में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत दर्ज एफआईआर की जांच के दौरान गिरफ्तार मुलजिमों की शुशांत चोपड़ा के निर्देशों पर काम करने की भूमिका के बारे में खुलासा हुआ।

एसएसपी ने कहा कि इन खुलासों और फॉलो-अप कार्रवाई के आधार पर मुलजिमों द्वारा बताए गए स्थान से एक आईईडी बरामद किया गया है, जो इस आतंकवादी साजिश में उनकी संलिप्तता की पुष्टि करता है। पुलिस टीमों ने गिरफ्तार किए गए मुलजिमों के दो साथियों की भी पहचान कर ली है और उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी जारी है।

इस संबंध में आर्म्स एक्ट की धारा 25, विस्फोटक पदार्थ एक्ट की धारा 4 और 5, गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) एक्ट (यूएपीए) की धारा 10, 13, 15, 16, 17 और 18 तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 113(1) और 113(3) के तहत पुलिस थाना राहों में एक अलग एफआईआर नंबर 20 दिनांक 29/01/2026 दर्ज की गई है।

मानव अधिकारों की उल्लंघन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं : पद्मश्री जतिंदर सिंह शंटी

मानव अधिकारों की रक्षा के लिए हर जिले में बनेंगे कोर ग्रुप - 15 सदस्य शामिल होंगे

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

पंजाब राज्य ह्यूमन राइट्स कमीशन के सदस्य पद्मश्री जतिंदर सिंह शंटी ने कपूरथला जिले में मानव अधिकारों संबंधी उपायों को जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मानव अधिकारों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और पंजाब राज्य ह्यूमन राइट्स कमीशन द्वारा राज्य में मानव अधिकारों की रक्षा तथा उल्लंघन के मामलों को गंभीरता से लेते हुए निरंतर कार्रवाई की जा रही है।

गुरुवार को जिला प्रशासकीय कॉम्प्लेक्स कपूरथला में उन्होंने डिप्टी कमिश्नर अमित कुमार पंचाल, अन्य प्रशासकीय अधिकारियों, बार एसोसिएशन के सदस्यों, मेडिकल एसोसिएशन के सदस्यों तथा मानव अधिकारों के लिए काम कर रही संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ मीटिंग की। उन्होंने कहा कि आयोग का मुख्य उद्देश्य है कि हर नागरिक को संविधान के अनुसार प्राप्त मौलिक अधिकारों की पूरी सुरक्षा मिले और किसी भी तरह का अन्याय न हो। उन्होंने कहा कि मानव अधिकारों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कानून अनुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि ह्यूमन राइट्स कमीशन द्वारा मानव अधिकारों की रक्षा के लिए एडवाइजरी जारी की जा रही हैं, जिसके तहत मानवता की भलाई के लिए नए कानून लाए जा रहे हैं।

शंटी ने यह भी बताया कि ह्यूमन राइट्स कमीशन द्वारा पिछले दिनों एक एडवाइजरी जारी की गई है, जिसके तहत कोई भी अस्पताल मरीज की मौत के बाद लाश को अस्पताल का बिल न देने के मामलों में लाश को रोक नहीं सकता और संबंधित परिवार को मृतक की लाश देना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में मृतक शरीर संबंधित परिवार के सदस्यों को न देने पर पुलिस केस दर्ज किए जाएंगे। स्वास्थ्य सेवाओं संबंधी उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा जारी एडवाइजरी के बोर्ड अस्पतालों में लगवाए जाएंगे।

मोहिंदर भगत ने श्री गुरु रविदास चौक के नवीनीकरण और सुंदरीकरण का लिया जायजा

पंजाब सरकार ने श्रद्धालुओं की भावनाओं और श्रद्धा के मद्देनजर करवाया चौक का सुंदरीकरण

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब के बागवानी, स्वतंत्रता सेनानी और रक्षा सेवाएं कल्याण मंत्री मोहिंदर भगत ने आज शहर के श्री गुरु रविदास चौक के नवीनीकरण और सुंदरीकरण के काम का जायजा लिया। इस मौके पर उनके साथ मेयर विनीत धीर भी मौजूद थे। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री ने राज्य और देश वासियों को श्री गुरु रविदास महाराज जी के प्रकाश उत्सव की बधाई देते हुए कहा कि सतगुरु रविदास धाम बूटा मंडी में बड़ी संख्या में देश-विदेश से संगत नतमस्तक होने के लिए आती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार द्वारा संगतों की श्रद्धा भावना को मुख्य रखते हुए श्री गुरु रविदास चौक के सुंदरीकरण का काम करवाया जा रहा है, जो लगभग मुकम्मल हो चुका है। उन्होंने कहा कि सुंदरीकरण से चौक की खूबसूरती में बड़े पैमाने पर वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि यह चौक शहर वासियों के साथ देश-विदेश से आने वाली संगतों के लिए आकर्षन का केंद्र होगा। श्री भगत ने लोगों को श्री गुरु रविदास महाराज जी के प्रकाश उत्सव को पूर्ण श्रद्धा के साथ मनाने का संदेश देते हुए मुख्यमंत्री पंजाब स. भगवंत सिंह मान का श्री गुरु रविदास महाराज जी के 650वें प्रकाश पर्व को पंजाब सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर मनाने के लिए किए गए ऐलान के लिए धन्यवाद किया।

सत्ता के लिए हिंसा के प्रयोग को कबूलना कांग्रेस का सबसे काला चेहरा दिखाता है : बलतेज पन्नू

आप नेता पन्नू ने राजिंदर कौर भट्टल के चौंकाने वाले बयान पर वड़िंग और बाजवा की चुप्पी की निंदा की

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने पंजाब की पूर्व मुख्यमंत्री राजिंदर कौर भट्टल के चौंकाने वाले बयानों पर कांग्रेस लीडरशिप की "आपराधिक चुप्पी" पर तीखा हमला किया है। भट्टल ने हाल ही में दावा किया था कि उन्हें कांग्रेस सरकार गिराने के लिए पंजाब में बम धमाके करने की सलाह दी गई थी।

गुरुवार को पार्टी ऑफिस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पन्नू ने कहा कि यह बहुत चिंताजनक बात है कि इंटरव्यू वायरल होने के 24 घंटे से ज़्यादा समय बीत जाने के बाद भी, न तो राजिंदर कौर भट्टल और न ही किसी सीनियर कांग्रेसी नेता ने इस बयान पर स्पष्टीकरण दिया है और न ही इसकी निंदा की है। उन्होंने सवाल किया कि यह चुप्पी कई गंभीर सवाल खड़े करती है। क्या ये बातें सच हैं, या कांग्रेस कोई बहुत कड़वी सच्चाई दबाने की कोशिश कर रही है?

पन्नू ने याद दिलाया कि यह पहली बार नहीं है जब ऐसे खुलासे हुए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने भी पहले युवाओं को तत्कालीन प्रधानमंत्री के सामने पेश करने और बाद में मारे जाने की बात कही थी, जिन दावों की कभी जांच नहीं की गई। पन्नू ने सवाल किया कि कैप्टन अमरिंदर सिंह ने सालों तक पंजाब पर राज करने के बावजूद उन युवाओं के बारे में कभी बात क्यों नहीं की या उनके परिवारों के लिए न्याय क्यों नहीं मांगा?

भट्टल के इंटरव्यू का हवाला देते हुए पन्नू ने कहा कि यह दावा करना कि सीनियर नेताओं, सलाहकारों या अधिकारियों ने चुनाव जीतने के लिए सार्वजनिक जगहों पर बम विस्फोट करने का सुझाव दिया था, यह बहुत गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि पंजाब ने अशांति के दौरान हिंसा की बहुत बड़ी कीमत चुकाई है। परिवार उजड़ गए, जवानी खत्म हो गई और राज्य अभी भी सामाजिक, आर्थिक और भावनात्मक रूप से उस बोझ को उठा रहा है। आतंकवाद को राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने का सुझाव देना भी माफ़ करने लायक नहीं है। पन्नू ने पंजाब कांग्रेस के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा और अन्य सीनियर नेताओं की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस कम से कम पंजाबियों को यह तो बताए कि राजिंदर कौर भट्टल झूठ बोल रही हैं या सच? ऐसी सलाह देने वाले कौन से नेता, अफसर और सलाहकार थे?

उन्होंने इस बयान को 2017 के चुनाव से पहले हुए बम धमाकों से भी जोड़ा, जिनमें बच्चों समेत कई बेगुनाहों की जान चली गई थी। पूरी जवाबदेही की मांग करते हुए पन्नू ने कहा कि अगर भट्टल का बयान सच है, तो पंजाबियों को यह पूछने का पूरा हक है कि क्या ऐसी घटनाएं सत्ता हथियाने की किसी बड़ी साजिश का हिस्सा थीं।

श्री गुरु रविदास महाराज जी के प्रकाश पर्व पर प्रदेश स्तरीय समागम की तैयारियों का जायजा लिया

• **जालंधर ब्रीज.** गढ़शंकर

डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने गढ़शंकर के श्री खुरालगढ़ साहिब में श्री गुरु रविदास जी महाराज के प्रकाश पर्व के अवसर पर आयोजित होने वाले प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस बैठक में पंजाब विधानसभा के डिप्टी स्पीकर की विशेष उपस्थिति रही।

बैठक के दौरान कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्थाओं तथा सुरक्षा प्रबंधों पर विस्तार से चर्चा की गई। डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक प्रबंध समय रहते पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई, पेयजल, बिजली, शौचालय, स्वास्थ्य सेवाएं, यातायात और पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

डिप्टी कमिश्नर ने विशेष तौर पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर निर्देश देते हुए कहा कि भीड़ प्रबंधन के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएं तथा संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाए। उन्होंने सीसीटीवी कैमरे, बैरिकेडिंग, मेडिकल कैंप तथा एंबुलेंस सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी बल दिया।

डिप्टी स्पीकर पंजाब विधानसभा ने कहा कि श्री गुरु रविदास जी महाराज का जीवन मानवता, समानता और सामाजिक सद्भाव का संदेश देता है।

कर चोरों पर पंजाब कर विभाग का शिकंजा, 141 वाहन जब्त

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब के कर विभाग द्वारा 28 जनवरी को स्टेट इंटेलिजेंस एंड प्रिवेंटिव यूनिटों (एस.आई.पी.यूज़.) के सभी विंगों के माध्यम से एक विशेष राज्य स्तरीय प्रवर्तन अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई जीएसटी के सख्त अनुपालन और सरकारी राजस्व की सुरक्षा के प्रति विभाग की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आबकारी मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि पूरे राज्य में व्यापक जांच के दौरान 141 वाहनों को जब्त किया गया है। इनमें से अधिकांश वाहन

लोहे और स्टील व्यापार के प्रमुख केंद्र मंडी गोबिंदगढ़ और लुधियाना में रोके गए हैं। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अधिकांश वाहनों में लोहे और स्टील का सामान ढोया जा रहा था, जिन पर बिना चालान के ढुलाई, जीएसटी नियमों का दुरुपयोग और गलत ई-वे बिलों के माध्यम से कर चोरी का संदेह है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि यह अभियान जनवरी 2026 में शुरू की गई प्रवर्तन मुहिम पर आधारित है, जिसके तहत विश्वसनीय गुप्त जानकारी के आधार पर उच्च जोखिम वाले लोहे और स्टील क्षेत्र को निशाना बनाया गया है। उन्होंने बताया कि चालान के बिना माल की ढुलाई, जाली फर्मों, जाली बिलिंग और ई-वे बिलों में हेराफेरी के माध्यम से बड़े पैमाने पर कर चोरी का खुलासा हुआ है। इसलिए एस.आई.पी.यूज़. को लोहे के स्क्रैप, तैयार लोहे और स्टील के सामान तथा अन्य उच्च जोखिम वाली वस्तुओं के संबंध में नियमों के पूर्ण अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। आबकारी मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि जनवरी में किए गए निरंतर प्रयासों के कारण पूरे राज्य में 793 वाहनों को जब्त किया गया है। इनमें से 538 वाहनों में लोहे का स्क्रैप और तैयार लोहा/स्टील का सामान था, जबकि बाकी में अन्य सामग्री का परिवहन हो रहा था।

पंजाब सिविल सचिवालय में आयुष मेडिकल कैंप आयोजित

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

समाज में बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से आयुर्वेदिक विभाग द्वारा पंजाब सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में आयुर्वेदिक आहार और योग पर एक आयुष मेडिकल कैंप लगाया गया। स्वास्थ्य विभाग के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कुमार राहुल, आईएएस इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। इसके अलावा इस अवसर पर सचिव पर्सोनल गुरप्रीत कौर सप्रा आईएएस, सचिव आम प्रबंधकी विभाग गौरी पराशर जोशी आईएएस, विशेष सचिव पर्सोनल स. उपकार सिंह आईएएस, अतिरिक्त सचिव पर्सोनल गौतम जैन आईएएस, संयुक्त सचिव आम प्रबंधकी विभाग तेजदीप सिंह सैणी, निदेशक आयुर्वेद डॉ. रमन खन्ना, रजिस्ट्रार डॉ. संजीव गोयल और जिला आयुर्वेदिक यूनानी अधिकारी मोहाली डॉ. ज्योति बब्बर मौजूद थे।

उन्होंने बताया कि कैंप इंचार्ज आयुर्वेदिक मेडिकल ऑफिसर डॉ. अमनप्रीत कौर, आयुर्वेदिक मेडिकल ऑफिसर डॉ. राजीव मेहता, आयुर्वेदिक मेडिकल ऑफिसर डॉ. सोनिया सिंगला, डिप्टी वैद गुरदीप सिंह, डिप्टी वैद गुरप्रीत कौर, योगा इंस्ट्रक्टर जसवीर कौर, इंदु बाला, एचएमओ राजेश कुमार और डॉ. विनोद कुमार, एचएमओ डॉ. युविका, फार्मासिस्ट कविता और गुलशन कुमार ने कर्मचारियों को स्वास्थ्य संबंधी मुफ्त सलाह और दवाइयां प्रदान कीं। इस मौके पर कर्मचारियों को जीवनशैली से संबंधित बीमारियों से बचाव के बारे में भी जागरूक किया गया।

इस अवसर पर कर्मचारियों को फास्ट फूड और स्ट्रीट फूड के सेवन से शरीर के महत्वपूर्ण अंगों पर पड़ने वाले बुरे प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया।

एम्स गुवाहाटी के अध्यक्ष ने आईआईटी गुवाहाटी में छात्रों एवं शिक्षकों को सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

• **जालंधर ब्रीज.** देहरादून

अध्यक्ष, एम्स गुवाहाटी, प्रसिद्ध अस्थि रोग विशेषज्ञ, पद्मश्री प्रो. डॉ. बी. के. एस. संजय, ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी में 28 जनवरी 2026 को सड़क सुरक्षा पर एक अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी व्याख्यान दिया। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षकगण, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे। अपने व्यापक चिकित्सकीय एवं शैक्षणिक अनुभव के आधार पर प्रो. डॉ. संजय ने सड़क दुर्घटनाओं में हो रही चिंताजनक वृद्धि तथा उनके दीर्घकालिक शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने जिम्मेदार वाहन चलाने, यातायात नियमों के सख्त पालन तथा हेलमेट एवं सीट बेल्ट जैसे सुरक्षा उपायों के अनिवार्य उपयोग पर विशेष बल दिया, जिससे गंभीर चोटों एवं मृत्यु की घटनाओं को रोका जा सके। प्रो. डॉ. संजय ने अपने वास्तविक चिकित्सकीय अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि सड़क पर की गई छोटी-सी लापरवाही भी जीवनभर की अपंगता और अपूरणीय क्षति का कारण बन सकती है। उन्होंने सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने तथा सुरक्षित सड़क व्यवहार की संस्कृति विकसित करने में व्यक्ति, संस्थान एवं समाज की सामूहिक जिम्मेदारी पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन संवादात्मक चर्चा सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने दुर्घटना रोकथाम की रणनीतियों, नीतिगत पहलों तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु शिक्षा एवं युवाओं की भूमिका पर सार्थक संवाद किया। इस अवसर पर प्रो. देवेंद्र जलिहाल, निदेशक, आईआईटी गुवाहाटी, ने छात्रों से जंक फूड छोड़कर पौष्टिक एवं संतुलित आहार अपनाने तथा अपनी जीवनशैली को नकारात्मक से सकारात्मक एवं रचनात्मक दिशा में बदलने का आह्वान किया।

आईसीसी रैंकिंग में छाए अभिषेक, सूर्या और बुमराह

फोटो-बीसीसीआई

स्पोर्ट्स डेस्क. आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में अपने खिताब की रक्षा करने से पहले भारत के श्वेत-गेंद क्रिकेट दल को एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन मिला है। न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहे पांच टी20 मुकाबले में कई शीर्ष खिलाड़ियों ने नवीनतम आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रैंकिंग में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की है। टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों में अपना दबदबा बनाए हुए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के शुरुआती तीन मैचों में दो अर्धशतक लगाकर उन्होंने रैंकिंग में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज की रेटिंग अब 929 अंक है, जो पिछले साल एशिया कप के दौरान हासिल किए गए उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ 931 अंकों से सिर्फ दो अंक कम है। इंग्लैंड के फिल साल्ट दूसरे स्थान पर हैं और अभिषेक उनसे 80 अंक आगे हैं। भारत के तिलक वर्मा तीसरे स्थान पर हैं, जो इस प्रारूप में देश के दबदबे को रेखांकित करता है। पूर्व विश्व नंबर 1 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने भी रैंकिंग में पांच पायदान ऊपर चढ़कर गुवाहाटी में खेले गए तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में नाबाद 57 रन बनाने के बाद सातवां स्थान हासिल किया है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने हाल के टूर्नामेंटों में शानदार वापसी की है और वैश्विक टूर्नामेंट से पहले भारत की बल्लेबाजी पंक्ति को मजबूती और ताकत प्रदान की है।

भारत के गेंदबाजों और ऑलराउंडरों ने भी उल्लेखनीय प्रगति की है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में तीन विकेट लेने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में चार पायदान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती श्रृंखला के पहले दो मैचों में तीन-तीन विकेट लेकर टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों में नंबर 1 स्थान पर बने हुए हैं। ऑलराउंडरों की सूची में हार्दिक पांड्या एक पायदान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए, जबकि शिवम दुबे ने छह पायदान की बड़ी छलांग लगाते हुए 11वें स्थान पर जगह बनाई, जो दोनों ही विभागों में उनके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा शीर्ष क्रम के टी20आई ऑलराउंडर बने हुए हैं। जहां भारतीय खिलाड़ियों ने सुर्खियां बटोरीं, वहीं दुनिया भर में टी20आई और वनडे मैचों के बाद टीमों में भी बदलाव देखने को मिले। टी20आई में दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्करम, वेस्टइंडीज के ब्रैंडन किंग और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स ने बल्लेबाजों में उल्लेखनीय बढ़त हासिल की जबकि अफगानिस्तान के स्पिनर मुजीब उर रहमान गेंदबाजों में शीर्ष 10 में शामिल हो गए।

शोभायात्रा के मद्देनजर जालंधर में सभी स्कूलों-कॉलेजों में 31 की छुट्टी

जालंधर (जालंधर ब्रीज). श्री गुरु रविदास जी के प्रकाश पर्व के संबंध में 31 जनवरी 2026 को जिला जालंधर में निकाली जाने वाली विशाल शोभायात्रा के मद्देनजर डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल द्वारा लोगों की धार्मिक भावनाओं और स्कूलों/कॉलेजों के विद्यार्थियों की सुविधा व सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला जालंधर की सीमा में अंदर आने वाले सभी सरकारी/गैर सरकारी स्कूलों/कॉलेजों में 31 जनवरी 2026 को पूरे दिन की छुट्टी का ऐलान किया गया है। आदेशों में यह भी कहा गया है कि जिन स्कूलों/कॉलेजों में बोर्ड/यूनिवर्सिटी की परीक्षाएं उक्त तिथि पर निर्धारित है, उन संबंधित कक्षाओं पर इस छुट्टी के आदेश लागू नहीं होंगे।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, J7 NEAR BUS STAND SUBHANPUR (HAMIRA), KAPURTHALA, PUNJAB - 144808, and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.